Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding setting up of a Navodaya Vidyalaya in Ramagundam in Telangana.

डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता (पेड्डापल्ली): माननीय अध्यक्ष महोदय, बड़े सौभाग्य की बात है कि डॉ. बाबा साहेब की मेहरबानी से और हमारे तेलंगाना के चीफ मिनिस्टर के.सी.आर. जी के आशीर्वाद से मुझे इस सदन में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।

Hon. Speaker, Sir, I am from Peddapalle Parliamentary Constituency which falls in Telangana State. In my constituency there are two districts; one is Peddapalle and the other is Mancherial. These two districts are predominantly rural districts. In Ramagundam, we have the prestigious National Thermal Power Corporation as well as the Coal India. Mostly poor people and farmers reside in this area. I would request the hon. Minister through you, Sir, to establish Jawahar Navodaya Schools in these two districts.

I would like to bring to your kind attention that as per the Government's policy every district should have one Navodaya School. In this context, I would request the hon. Minister to kindly take steps for establishment of two Navodaya Schools both in Peddapalle and Mancherial. Mostly labour and poor people are residing in this industrial area and their children are not able to study in the corporate schools. Hence, I would once again request the hon. Minister to kindly take steps for the establishment of Navodaya Schools there.

Our Telangana Government is ready to give land and building for these schools. Ample Government buildings and land are available in these two districts. I would once again request the kind authorities to

take steps for the establishment of Jawahar Navodaya Schools in these two districts of my constituency.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अभी मेरे पास बहुत बड़ी संख्या में सदस्यों से शून्यकाल के लिए सूचनाएं प्राप्त हुई हैं । मेरा भी प्रयास है कि जो नये माननीय सदस्य चुनकर आए हैं, उनको शून्य काल में बोलने का एक मौका इस सत्र में दिया जाए ताकि वे अपनी बात कह सकें । क्योंकि वे 15-16 लाख मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए अपने क्षेत्र की समस्याओं को ठीक तरह से सदन के माध्यम से उठा सकें । इसके लिए मैं प्रयास करूंगा कि शून्य काल में अधिकतम सदस्यों को मौका दिया जाए । इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि शून्य काल में अपनी बात को संक्षिप्त में कहें ताकि सभी माननीय सदस्यों को बोलने का मौका मिल सके । आज नियम 377 के अधीन भी पढ़े जाएंगे । मैं माननीय सदस्यों से पुन: आग्रह करता हूं कि मुझे इस आसन से किसी के लिए बेल बजानी न पड़े, इसलिए अपनी बात संक्षिप्त में कहें ।

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): महोदय, आप सदन की कार्यवाही चला रहे हैं । सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा । इसके बाद एक विधेयक है जिस पर सभी सांसदों को चर्चा करनी है । अगर समय की सीमा तय नहीं होगी तो आपके लिए भी कठिनाई होगी, मंत्री का आगमन और साथ ही साथ अगली कार्यवाही कैसे प्रारम्भ होगी? इसके लिए आवश्यक है कि लंच के लिए कम से कम आधे घंटे का ब्रेक दिया जाए ताकि अगली कार्यवाही के लिए हम लोग तैयारी कर सकें । ...(व्यवधान) आप ऐसा नहीं कहिए । चूंकि अगली कार्यवाही भी प्रारम्भ करनी है और आप बीच में गैप नहीं देंगे तो कैसे होगा?

माननीय अध्यक्ष : एक बजे के बाद व्यवस्था दी जाएगी ।